LIDA Stories

lidastories.net

अगोस्टीनो की कहानी / Agostinos historie

LIDA Italia

Billie Cejka Risnes

Pratibha Singh (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

अगोस्टीनो की कहानी

Agostinos historie

LIDA Italia

Billie Cejka Risnes

Pratibha Singh

5

हिन्दी hi / norsk nb

मेरा नाम अगोस्टीनो है और मैं 51 साल का हूँ। मेरा काम साइकिल से खाना पहुँचाना है। मेरी दो बेटियाँ हैं, लेकिन हम शायद ही कभी बात करते हैं। उनकी माँ और मैं अब साथ नहीं रहते क्योंकि हम तलाकशुदा हैं।

. . .

Jeg heter Agostino og jeg er 51 år. Jobben min er å levere mat på sykkel. Jeg har to døtre, men vi snakker nesten ikke sammen. Moren deres og jeg bor ikke lenger sammen fordi vi er skilt.

मैं अपनी माँ के साथ रहता हूँ, क्योंकि मैं तलाक के बाद किराया नहीं दे सकता। इस शहर में किराया बहुत महंगा है।

. . .

Jeg bor med moren min siden jeg ikke kan betale husleien etter skilsmissen. Husleien er veldig dyr i denne byen.

कुछ महीने पहले मैं एक कंपनी के लिए एक चौकीदार के रूप में काम कर रहा था। मैंने उन चीज़ों की मरम्मत की जो टूटी हुई थीं, बक्से उठाए, और ज़रूरतमंदों मदद की। एक दिन कंपनी ने मुझे निकाल दिया। मुझे समझ नहीं आया क्यों।

. . .

For noen måneder siden jobbet jeg som vaktmester for et firma. Jeg reparerte ting som var ødelagt, bar esker og hjalp til når noen trengte det. En dag fikk jeg sparken fra firmaet. Jeg skjønte ikke hvorfor.

एक लंबे समय के बाद हमें हमारे कठिन परिश्रम का फल मिला। एक बड़ी डिलीवरी कंपनी को अच्छा-खासा जुर्माना देना पड़ा और कर्मचारियों को स्थायी नौकरियाँ देनी पड़ी। पूरी दुनिया में ऐसा पहली बार कहीं हुआ था। ऐसा लग रहा है कि चीज़ें बेहतर होने लगी हैं।

. . .

Etter en lang stund fikk det harde arbeidet vårt resultater. Et stort budfirma måtte betale en stor bot og ansette arbeidere i faste stillinger. Det var første gang det skjedde noe sted i verden. Det ser ut til at ting begynner å bli bedre.

मैंने दूसरी कंपनियों के अन्य डिलीवरी वालों के साथ एक स्थानीय श्रमिक संघ के साथ कामगारों के अधिकारों पर एक पाठ्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने हमें मुफ्त में क़ानूनी सलाह दी। हमने बेहतर अधिकार और मान्यता प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया।

. . .

Sammen med sykkelbud fra andre firmaer tok jeg et kurs om arbeidstakeres rettigheter hos en lokal fagforening. De tilbød oss gratis juridisk rådgivning. Vi kjempet for å få mer anerkjennelse og rettigheter.

मैने कई लोगों को साइकिल से खाना पहुँचाते देखा। मैं साइकिल चला सकता हूँ, इसलिए मैंने एक बड़ी डिलीवरी कंपनी का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने मुझे प्रत्येक डिलीवरी के लिए तीन यूरो की पेशकश की। मैं प्रति दिन 40€ कमाता हूँ, अगर भाग्य मेरे साथ हो तो और अगर ग्राहक मुझे टिपे देदे तो 60€ तक भी कमा लेता हूँ।

. . .

Jeg så mange personer som leverte mat på sykkel. Jeg kan også sykle, så jeg banket på døra til et stort budfirma. De tilbød meg tre euro for hver levering. Jeg tjener 40€ om dagen, 60€ hvis jeg er veldig heldig og kundene gir meg tips.

छुट्टी वाले दिन के मुझे पैसे नहीं मिलते, बीमारी की वजह से छुट्टी लेने पर भी नहीं, कुल मिलाकर शायद ही मेरे पास कोई अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन मुझे नौकरी की ज़रूरत है। ज़्यादातर बाकी कर्मचारी दुनियाँ के अलग-अलग कोने से आए प्रवासी हैं।

. . .

Jeg får ingen betalt ferie, ingen sykepenger, nesten ingen rettigheter i det hele tatt. Jeg tror ikke det skal være sånn, men jeg trenger en jobb. De fleste andre ansatte er innvandrere som kommer fra hele verden.

रोज़ाना खाना पहुँचाने वाले बहुत से लोगों को हादसों में चोटें लगती रहती हैं। लेकिन जब 25 साल के खाना पहुँचाने वाले एक आदमी की किसी कार से टक्कर होने की वजह से मौत हो गई, तब से अधिकारी हमारे बारे में ध्यान देने लगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी मौत होने से पहले ऐसा नहीं हुआ।

. . .

Mange sykkelbud blir skadet i ulykker daglig. Så, da et 25 år gammelt sykkelbud ble påkjørt av en bil og døde, begynte myndighetene å legge merke til oss. Det er synd at noen måtte dø for at det skulle skje.